प्रतिबंधित माओवादी समूह और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **झारखंड के चतरा ज़िले** में प्रतिबंधित माओवादी समूह के सदस्यों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई।

मुख्य बिंदु:

- राज्य की राजधानी रांची से लगभग 200 किलोमीटर दूर कुंडा के अंगरहा जंगल में एक तलाशी अभियान के दौरान, प्रतिबंधित तृतीया सम्मेलन प्रस्तुति समिति के कार्यकर्त्ताओं ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की।
  - तृतीया सम्मेलन प्रस्तुति समिति प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) (माओवादी) से अलग हुआ गुट है।

तृतीया प्रस्तुति समिति (TPC)

- **यह माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर ऑफ इंडिया से अलग हुआ एक समूह है।** TPC **ने पुलिस तंत्र को नहीं बल्कि CPI (माओवादी)** को **अपना मुख्य दुश्मन बताया है।**
- TPC का प्रभाव क्षेत्र झारखंड के चतरा, पलामू और लातेहार ज़िले में है। **TPC अन्य माओवादी संगठनों की प्रतिद्विंद्वी है।**
- इसका **गठन वर्ष 2002** में हुआ था जब निर्णय लेने में यादव जाति के कथित वर्चस्व के कारण कई कैडर माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (MCC) से अलग हो गए थे और **TPC का गठन गैर-यादवों, मुख्य रूप से महतो, गंझू, भोगता, ओरांव तथा खरवार सहित अन्य लोगों द्वारा किया गया।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gunfight-between-banned-maoist-group-and-security-forces